Date: Monday, 07 October 2024

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, रुड़की और भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद ने अनुसंधान, शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटीआर), 177 वर्ष पुराना संस्थान है, जिसमें 23 विभाग और 9 शैक्षणिक केंद्र और एक स्कूल है जो विज्ञान और इंजीनियरिंग के विभिन्न विषयों में शिक्षा, अनुसंधान और क्षमता निर्माण में योगदान देता है। भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग की एक इकाई है, जो भौतिकी, अंतरिक्ष भौतिकी, सौर भौतिकी, वायुमंडलीय विज्ञान, भूविज्ञान, खगोल विज्ञान, ग्रह विज्ञान और अंतरिक्ष अन्वेषण के चुनिंदा क्षेत्रों में मौलिक अनुसंधान करती है। आईआईटीआर और पीआरएल ने पारस्परिक लाभ की दिशा में ज्ञान की उन्नति को पारस्परिक सहयोग से सुविधाजनक बनाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू दोनों संस्थानों के संकाय, शोध अध्येताओं और छात्रों को शोध चर्चाओं, सहयोगों, वैज्ञानिक संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों के संयुक्त आयोजन के माध्यम से एक-दूसरे के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

Indian Institute of Technology Roorkee, Roorkee and Physical Research Laboratory (PRL), Ahmedabad sign a memorandum of understanding to Promote Research, Education, and Innovation

Indian Institute of Technology Roorkee (IITR), a 177 year old institution, with 23 departments and 9 academic centres and one school contributing to education, research and capacity building in a wide range of disciplines of science and engineering and Physical Research Laboratory (PRL) a unit of the Department of Space, Government of India, that carries out fundamental research in select areas of Physics, Space physics, Solar physics, Atmospheric sciences, Geosciences, Astronomy, Planetary Sciences and Space Exploration, have signed a Memorandum of Understanding (MOU) to foster collaboration to facilitate advancement of knowledge towards mutual benefit. The MOU will encourage faculty, research fellows and students from the two institutions to engage with each other through research discussions and collaborations, and joint organisation of scientific seminars, workshops and conferences.